मुकदमा नंबर सन्..20

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
19/6/18	वकु० ए० फरीकेन उपस्थित। प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा की राबकार पर बहस विद्वान अभिभाषकगण उभयपक्षान सुनी गई। वकील वादी के तर्क रहे कि उसके हिस्से की आराजी को प्रतिवादी सरवणा। से 6 दीगर व्यक्ति को बेचने पर आमादा है। प्रतिवादीगण के वकील के तर्क रहे कि कोई हस्तांतरण नहीं किया जा रहा है। मैंने पत्रावली का अवलोकन किया तो पाया कि प्रथम दृष्टया सद्सुविधा का सन्तुलन प्रार्थीया के पक्ष में प्रतीत होता है। वाद पत्र मेरिट पर तय किया जाना है। अतः विवादित आराजी को बेचान हस्तान्तरण आदि नहीं करने हेतु अप्रार्थीगण को तार्फैसला वाद तक अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है। मिसल फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। वाद दफ्तर दाखिल हो। (सुरेश चावला) उपखण्ड अधि. एवं सहायक कलक्टर मसूदा (अजमेर) राज०	

Signature Not Verified
Digitally signed by Mohan Lal Khatnawalia
Date: 2019.12.13 15:37:27 IST
Reason: SelfAttested